एक नजर में

शिव-पार्वती ने खेली भस्म और गुलाल की होली

उज्जैन। नरसिंह घाट के सामने स्थित कुमावत धर्मशाला में फाग उत्सव और महाकाल होली का भव्य आयोजन किया गया। भक्तों ने भारी उल्लास के साथ फाग का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान शंकर और मां भगवती पार्वती के स्वरूपों ने महाकाल की तर्ज पर होली खेली। भगवान शंकर ने भस्म लगाई, वहीं मां भगवती ने गुलाल लगाकर सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भगवान शंकर द्वारा चौपड़ खेलने का प्रसंग भी जीवंत किया गया। उत्सव में उपस्थित सभी भक्तों ने भगवान से विश्व में शांति स्थापित होने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में ख्वाइश ने माता पार्वती का मनमोहक स्वरूप धारण किया था। संस्था के अध्यक्ष महेंद्र कटियार ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी आयोजन में भारी उत्साह रहा। भजन गायक लाली और ढोलक वादक कैलाश की जुगलबंदी ने फाग उत्सव में आनंद घोल दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से खेम सिंह तोमर, संजय बैस, निशा राठौर, सतीश राठौर, धर्मेंद्र सिंह परिहार, अनुदीप गंगवार, विष्णु कुमावत, गोपाल शर्मा, शैलेंद्र दुबे, राम नगर के विशाल सोनी, नमत सोनी, दुर्गा यादव, प्रतिभा कटियार, उमाकांत कटियार, प्रेरणा गंगवार, मंजू गंगवार, जितेन गंगवार और अजय करपे उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर फाग उत्सव और होली का आनंद लिया।

उज्जैन में जीवंत हुआ बरसाना

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, युवा मंडल और महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में महाप्रभु की बैठक पर भव्य फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। मंडल के संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बरसाना की तर्ज पर होली खेली गई, जिससे पूरा वातावरण ब्रजमय हो गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि आयोजन में सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने राधा-कृष्ण का स्वरूप धारण कर फाग उत्सव मनाया। श्रद्धालुओं ने 5 क्विंटल फूल और 51 किलो विशेष रंगों के गुलाल से होली खेलकर उल्लास का वातावरण निर्मित कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सभी साक्षात बरसाना में होली खेल रहे हों। इस अवसर पर श्री वल्लभ वैष्णव मंडल अध्यक्ष आनंद पुरोहित, कोषाध्यक्ष मनीष नागर, सचिव जयेश श्रॉफ, युवा मंडल अध्यक्ष अमित नागर, कोषाध्यक्ष नितिन नीमा, सचिव अमर दिसावल, महिला मंडल अध्यक्ष नूपुर नीमा, कोषाध्यक्ष कामिनी शाह, सचिव मनीषा नागर, माधुरी शाह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मालीपुरा में हुआ अभा कवि सम्मेलन

उज्जैन। होलिका उत्सव की पूर्व संध्या पर शहर में एक बार फिर काव्य रस की फुहारें बरसीं। मालीपुरा सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में 2 मार्च, सोमवार को होलिका उत्सव 2026 के अंतर्गत 79वें अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का मालीपुरा चौराहे पर भव्य आयोजन किया गया। समिति पिछले कई दशकों से इस साहित्यिक परंपरा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही है। समिति के संरक्षक सत्यनारायण चौहान, अध्यक्ष राकेश चौहान और सचिव मुकेश बारोट ने बताया कि होलिका उत्सव से ठीक पहले आयोजित इस प्रतिष्ठित कवि सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। आमंत्रित कवियों में मुंबई से हास्य व्यंग्य कवि आशकरण अटल व सुनील व्यास, औरैया से वीर रस के कवि अजय अंजाम, इंदौर से गीतकार अमन अक्षर, भोपाल से गीत-गजल के लिए अनु सपन और बदनावर से हास्य व्यंग्य कवि राकेश शर्मा शामिल रहे।

उद्यानिकी भवन हटेगा, संग्रहालय का वृहद पार्किंग बनेगा

उज्जैन। प्राचीन ऐतिहासिक कोठी महल को नया स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 136 वर्ष पुराने इंडो-सारसेनिक शैली के इस भवन को वीर भारत संग्रहालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए परिसर के सामने स्थित उद्यानिकी विभाग की पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर वहां पार्किंग और खुला क्षेत्र विकसित किया जाएगा। कोठी मार्ग स्थित इस पुरातन भवन, जिसे जीवाजी राव सिंधिया के समय निर्मित कराया गया था, को पूरी तरह संग्रहालय का रूप देने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। वर्तमान में परिसर में संचालित उद्यानिकी विभाग का कार्यालय और नर्सरी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किए जाएंगे। विीर भारत न्यास,स्मार्ट सिटी और संस्कृति विभाग के संयुक्त प्रयास से इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से लेकर संभाग आयुक्त आशीष सिंह और स्मार्ट सिटी सीओ संदीप शिवा के साथ ही वीर भारत न्यास के निदेशक श्री राम तिवारी द्वारा लगातार इसका अवलोकन किया जा रहा है। पीएस कनेल ,उपसंचालक उद्यानिकी ने बताया कि पता चला है कि उद्यानिकी भवन के स्थान पर पार्किंग बनाया जाएगा, ऐसे में ऑफिस कहीं और शिफ्ट किया जाएगा। अब हम नए स्थान का चयन वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर करेंगे। साथ ही कोठी की बिल्डिंग को संग्रहालय में तब्दील किया जा रहा है ऐसे पार्किंग की आवश्यकता तो पड़ेगी ही, और यह एक बड़ी सौगात भी होगी।

पर्यटकों के लिए होगी समुचित सुविधा

परियोजना के तहत संग्रहालय परिसर में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा विकसित की जाएगी, ताकि वे अपने वाहन सुरक्षित रूप से खड़े कर वीर भारत संग्रहालय का अवलोकन कर सकें। यह संग्रहालय देश का पहला ऐसा संग्रहालय होगा, जिसमें भारत की महान विभूतियों, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर नायकों की गाथाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। करीब 28 करोड़ रुपये की लागत से यह कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा।

विवाद में युवक पर चाकू से हमला

उज्जैन। पुराने विवाद में सोमवार शाम युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घायल युवक को शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनाक्रम की सूचना मिलने पर पुलिस घायल के बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची। महाकाल थाना एएसआई शंकरलाल कनौजिया ने बताया कि चरक अस्पताल से बेगमपुरा में रहने वाले शादाब पिता मोहम्मद सईद 22 साल निवासी बेगमपुरा को घायल हालत में लाने की सूचना मिली थी। अस्पताल पहुंचकर घायल के बयान दर्ज करने पर सामने आया कि वह कबाड़े का काम करता है और उसे नलियाबाखल में तनवीर ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाकू मारा है। कुछ दिनों पहले तनवीर को घर के बाहर बैठने पर मना किया था, जिसके चलते विवाद हुआ था। उसी विवाद को लेकर नलियाबाखल में रोक हमला किया गया। एएसआई कनौजिया के अनुसार बयान दर्ज मामला जांच में लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जायेगा।

जिलाबदर बदमाश पकड़ाया, लगाई रासुका

उज्जैन। उर्दूपुरा के रहने वाले बदमाश मनीष पिता मुरलीधर भाटी 38 साल को अपराधिक गतिविधियों के चलते पिछले वर्ष नम्बर माह में जिलाधीश के आदेश पर 6 माह के लिये जिलाबदर किया गया था। बावजूद बदमाश होली पर्व के चलते आदेश का उल्लघंन कर जिले की सीमा में आ गया। जीवाजीगंज थाना पुलिस को बदमाश के शहर में होने की खबर मिली तो एएसआई यशवंतसिंह टीम के साथ बदमाश की धरपकड़ के लिये निकले। बदमाश वीरसावरकर चौराहा पर घूमता दिखाई दिया। जिसे घेराबंदी कर हिरासत में लिया। एएसआई के अनुसार आदेश का उल्लघंन करने पर बदमाश के खिलाफ राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 में प्रकरण दर्ज किया गया।

पं. व्यास के स्वप्नों को पूरा करने में जुटे हैं मुख्यमंत्री

उज्जैन। पंडित सूर्यनारायण व्यास केवल एक बड़े ज्योतिषाचार्य ही नहीं, बल्कि कुशल पत्रकार, व्यंग्यकार, संपादक, क्रांतिकारी और इतिहासकार भी थे। यह विचार प्रेमचंद सृजन पीठ द्वारा विक्रमादित्य शोध पीठ में आयोजित व्याख्यान 'सुमिरन' में पद्मभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास की जयंती पर, सारस्वत अतिथि प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् डॉ. मुरलीधर चांदनीवाला ने व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने भी उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि मुद्राशास्त्री आरसी ठाकुर रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन में दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक राजशेखर व्यास ने कहा कि पंडित व्यास ज्योतिष जगत के सूर्य थे और समाचार पत्र विक्रम में लिखे उनके सम्पादकीय आज भी वैचारिक दृष्टि से धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पंडित व्यास के कई अधूरे स्वप्नों को पूरा करने में जुटे हैं। अतिथि स्वागत प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी और विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक डॉ. रमण सोलंकी ने किया। आयोजन में डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. जगदीश शर्मा, सतीश दवे, श्रीराम दवे, डॉ. प्रीति पांडे, डॉ. पांखुरी वक्त, दिव्या सक्सेना, अजय शर्मा, डॉ. विवेक चौरसिया, प्रदीप व्यास और सीमा देवेन्द्र सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ कवि दिनेश दिग्गज ने किया और आभार डॉ. हरीशकुमार सिंह ने माना।

आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट रजिस्ट्रेशन 5 से

- 7 आईआईएसईआर में प्रवेश का आधार सिर्फ़ आईएटी स्कोर होगा

उज्जैन। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) ने आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आईएटी शैक्षिक वर्ष 2026-27 के लिए सभी आईआईएसईआर कैंपस के अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में प्रवेश के लिए एकमात्र और अनिवार्य परीक्षा है। ऑनलाइन आवेदन की आरंभिक तिथि 5 मार्च (गुरुवार) है और एप्टीट्यूड टेस्ट 7 जून रविवार को होगा। विज्ञान पढ़ने के इच्छुक उम्मीदवार इस अनिवार्य एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इस परीक्षा से सभी 7 आईआईएसईआर कैंपस में किसी में भी विश्वस्तरीय शोध एवं प्रशिक्षण का प्रवेश द्वार खुल जाएगा। प्रो. गोवर्धन दास, निदेशक, आईआईएसईआर भोपाल ने कहा, आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट एक प्रवेश परीक्षा से बढ़ कर आईआईएसईआर भोपाल के डायनामिक रिसर्च इकोसिस्टम का प्रवेश मार्ग है। हमारा कैंपस विद्यार्थियों को नई जानकारियां हासिल करने, परीक्षण और सर्जना करने की प्रेरणा देता है। आईआईएसईआर भोपाल कई खूबियों की वजह से खास है, जैसे यहां साइंस, इंजीनियरिंग, इकोनॉमिक्स और ह्यूमैनिटीज़ का अनोखा तालमेल है। श्रेष्ठ शिक्षा का इंटरडिसिप्लिनरी परिवेश है।

कार्मल स्कूल के पास मिली लाश की शिनाख्त हुई

उज्जैन। कार्मल स्कूल के पास सोमवार दोपहर एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक के पास पहचान का दस्तावेज नहीं मिला। शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेज पहचान के प्रयास शुरू किये गये। मंगलवार को परिचितों ने उसकी पहचान कर ली।

चिमनगंज थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि सूचना मिलने पर डायल 112 मौके पर पहुंची थी। मृतक 35 से 40 साल का प्रतीत हो रहा था। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं होने पर शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेजा गया और मर्ग कायम कर शिनाख्त के प्रयास शुरू किये गये। पता चला कि मृतक लोकेन्द पिता गोविंददास शर्मा निवासी रामद्वार मिर्चीनाला क्षेत्र का रहने वाला है। उसके परिजनों को सूचना दी गई। परिचितों ने अस्पताल पहुंचकर उसकी पहचान की। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था संभवत: अधिक शराब पीने से उसकी मौत हुई। जानकारी यह भी सामने आई है कि आगररोड शराब दुकान के पास से उसका दो पहिया वाहन भी मिला है। थाना प्रभारी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का सही कारण सामने आ पायेगा।

तालाब में डूबे दो बालक, डेढ़ घंटे बाद निकले शव

- होली खेलने के बाद नहाने पहुंचे थे, ग्राम राघौ पिपलिया में हुई घटना

उज्जैन। ग्राम राघौ पिपलिया में मंगलवार को दो बच्चे तालाब में डूब गए। ग्रामीणों की मदद से डेढ़ घंटे बाद उन्हें बाहर निकाला गया लेकिन दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। शाम को दोनों बच्चों का पोस्टमार्टम कराया गया।

नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि इंदौर रोड स्थित ग्राम राघौ पिपलिया स्थित तालाब में दो बच्चों के डूबने की सूचना दोपहर 2 के लगभग मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची ग्रामीणों के साथ स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई गई। करीब डेढ़ घंटे बाद दोनों बच्चों के शव बाहर निकल गए। दोनों ग्राम के ही रहने वाले रितेश पिता पवन राजोरिया 14 साल और रोहित पिता गोवर्धन 15 साल थे। पूछताछ के दौरान सामने आया कि दोनों के साथ शुभम नाम का बालक भी तालाब में नहाने गया था। बच्चे सुबह से होली खेल रहे थे और परिवार को बिना बताए तालाब तक पहुंचे थे। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के अनुसार दोनों बच्चे कक्षा आठवीं और नवी के छात्र बताई जा रहे हैं। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर दोनों का पोस्टमार्टम कराया गया है।

क्षीरसागर कुंड से भी लाश बरामद की गई

कोतवाली थाना क्षेत्र के क्षीरसागर कुंड से भी मंगलवार सुबह एक युवक की लाश बरामद की गई। पुलिस ने उसकी पहचान के प्रयास शुरू किया तो कुछ घंटे बाद पता चला कि मृतक आगर रोड स्थित चंदन नगर का रहने वाला फिरोज पिता अजीज खान है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, उनके आने पर सामने आया कि रात भर से घर नहीं लौटा था। पुलिस ने मर्ग कायम किया है पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत की स्थिति स्पष्ट होगी।

तड़के हुआ होलिका दहन, आज शहर में छाएगी रंगों की मस्ती

उज्जैन। बाबा महाकाल के आंगन में सोमवार शाम होलिका दहन के बाद मंगलवार को तड़के शहर में होली जलाई गई, लेकिन चंद्र ग्रहण होने पर लगे सूतक की वजह से रंगों की मस्ती दिखाई नहीं दी। वहीं शहर भर में सन्नाटा पसरा नजर आया मानो शहर में कर्फ्यू लगा हुआ हो। शाम को थोड़ी बहुत आवाजाही शुरू हुई7 आज जमकर रंग गुलाल उड़ाया जाएगा।

होली का पर्व 5 दिनों तक मनाया जाता है, इस बार चंद्रग्रहण होने होली मंगलवार को नहीं खेली जा सकी, लेकिन सूतक लगने से पहले तड़के होलिका दहन किया गया। रंगों की मस्ती का पर्व आज मनाया जाएगा, सुबह से ही रंग गुलाल और अबीर के साथ होली की शुरुआत होगी जो पिचकारी की फुहारों से अपने चरम पर दिखाई देगी। होली को लेकर बच्चों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने पर भी बच्चों द्वारा रंग भरी मस्ती की गई। इससे पहले सोमवार शाम को महाकाल मंदिर में होलिका का दहन किया गया था। वही मंगलवार तड़के बाबा महाकाल को गुलाल भी अर्पित किया गया। गमी वाले घरों में भी समाज जनों द्वारा रंग डालने की परंपरा का निर्वाह किया गया। होली पर्व को देखते हुए सोमवार शाम से ही पुलिस पूरे शहर में अलर्ट हो गई थी, मंगलवार को रंगों की मस्ती नहीं दिखाई देने पर पुलिस को ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ी, आज फिर से पुलिस प्रमुख चौराहों से लेकर गली मोहल्ले में रंगों का पर्व शांति और भाईचारे के साथ मनाया जा सके इसके प्रयास करती दिखाई देगी। सोमवार शाम से ही रंगों का बाजार गुलजार हो गया था, मंगलवार को भी रंग गुलाल अबीर के साथ बच्चे पिचकारियों की खरीद फरोख्त करते दिखाई दिए।

8 मार्च रंग पंचमी पर निकलेगी गैर

होली पर्व के बाद 8 मार्च को रंगपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। यह दिन भी रंगों से भरा होगा। नगर निगम द्वारा नगर गैर आयोजित की जाएगी जो बाबा महाकाल के दरबार से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गो तक पहुंचेगी। इस बार गैर में गुलाल के साथ फूल उड़ाये जाएंगे। जिसकी तैयारियां निगम द्वारा शुरू कर दी गई है।

उपायुक्त पटेल निरीक्षण किया

उज्जैन। 8 मार्च रविवार को रंग पंचमी के पावन अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर से होते हुए गोपाल मंदिर तक निकलने वाली पारंपरिक नगर गैर का भव्य आयोजन नगर पालिक निगम द्वारा किया जाएगा। आयोजन की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार द्वारा निगम द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए समय पूर्व व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सहायक जनसंपर्क अधिकारी विश्वास पंडिया, लोकेंद्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

झाबुआ के 37 युवा जानेंगे मालवा की संस्कृति और इतिहास

- विक्रम विवि कुलगुरु ने दिए संस्कृति
- सहेजने के मंत्र

उज्जैन। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत विभाग के अंतर्गत आयोजित अंतरजिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में शामिल होने झाबुआ जिले के 37 युवाओं का दल उज्जैन पहुंचा है। यह दल पांच दिवसीय शिविर के माध्यम से मालवा की संस्कृति, साहित्य और इतिहास को करीब से जानेगा और समझेगा। मेरा युवा भारत के जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिलाष म्हस्के ने बताया कि झाबुआ से आया यह दल शनिवार तक उज्जैन में प्रवास करेगा। इस दौरान युवाओं के लिए बौद्धिक सत्र, उज्जैन भ्रमण, योग, प्रशिक्षण और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर के प्रथम दिन विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज ने युवाओं से संवाद किया। उन्होंने झाबुआ के अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं से अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखने का आह्वान किया। रूपांतरण संस्था के राजीव पहावा ने युवाओं को योग एवं ध्यान के महत्व से अवगत कराया।

बसंत विहार में मनी होली : गमी वाले परिवारों से भी मिले

- हर्बल गुलाल से खेली धुलेंडी,
- रंगपंचमी पर बंटेगी ठंडाई

उज्जैन। बसंत विहार सांस्कृतिक मंच द्वारा श्रीराम मंदिर परिसर में 22वें वर्ष भी पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ होली और धुलेंडी महोत्सव मनाया गया। मंच ने सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए कॉलोनी के उन 50 परिवारों के घर जाकर रंग लगाया, जिनके यहां गमी हुई थी। यह परंपरा विपत्ति के समय समाज के साथ खड़े होने और अकेले न होने का संदेश देती है।

मंच के सहसचिव नरेन्द्र कुमार चौरसिया ने बताया कि अध्यक्ष राजेंद्र परब के नेतृत्व में सोमवार रात 10 बजे पंडित शिवशंकर चतुर्वेदी द्वारा होलिका दहन का पूजन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात मंगलवार सुबह 9 बजे से धुलेंडी पर्व मनाया गया, जिसमें रहवासियों ने प्राकृतिक हर्बल गुलाल का उपयोग कर शांतिपूर्ण ढंग से रंगोत्सव मनाया।

रविवार की शाम को भी आयोजन

रविवार, 8 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर शाम को कॉलोनी में 251 लीटर दूध की ठंडाई का वितरण किया जाएगा। आयोजन में मुकेश कुंभकार, दिलीप सिंह देवड़ा, सियाराम पाटीदार, चन्द्र प्रकाश पाटीदार, राकेश कुमरावत, राहुल पाटीदार और विवेक चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला मंडल की भूमिका सराहनीय रही।

चंद्रग्रहण का साया | ग्रहण बाद शाम को शुद्ध जल से शिखर, गर्भगृह,नंदीहाल धोया, संध्या आरती में लगाया भोग

चंद्रग्रहण पर खुले रहे महाकाल के पट, हजारों श्रद्धालु दर्शन करने उमड़े

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में चंद्र ग्रहण के सूतक व ग्रहण काल में दिनभर ज्योतिर्लिंग महाकाल के पट खुले रहे और हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दूर से दर्शन भी किए। एकमात्र महाकाल का मंदिर ही ऐसा है जो ग्रहण में भी बंद नहीं होता है और भगवान के दर्शन निरंतर चालू रहते हैं।

तड़के 4 बजे बाबा महाकाल की दिव्य भस्मारती की गई जिसमें पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार कर हर्बल गुलाल अर्पित करते हुए होली खेली। सुबह 7 बजे की दद्योदक आरती के समय सूतक शुरू हो गया था। इस कारण भगवान को आरती में अन्न का भोग नहीं लगाया गया। इसके बाद सुबह की 10 बजे हुई भोग आरती में भी भोग नहीं लगाया गया। इन दोनों आरतियों में केवल शकर का भोग लगाया गया। शाम को ग्रहण समाप्त होने के बाद गर्भगृह व नंदीहाल को कोटितीर्थ कुंड के शुद्ध जल से धोया गया। बाहर मुख्य शिखर व प्रांगण की भी धुलाई की गई। शुद्धिकरण के बाद पुजारी आशीष गुरु ने भगवान का अभिषेक-पूजन किया तो पुजारी प्रदीप गुरु ने भांग व सूखे मेवे से शिवलिंग की आकृति बनाकर दिव्य एवं आकर्षक श्रृंगार किया। इसके बाद संध्या आरती हुई जिसमें भगवान को भोग अर्पित किया गया। वहीं देश के 51 शक्तिपीठों में एक उज्जैन के प्रसिद्ध शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में सूतक काल में पूजन-अर्चन, दर्शन आदि सब बंद रखा गया। पुजारी रजत गिरि गोस्वामी ने बताया कि शाम को चंद्र ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिर में शुद्धिकरण किया गया। इसके पश्चात देवी का अभिषेक-पूजन हुआ। रात 8 बजे के बाद दीपमालाएं प्रज्जवलित की गई। रात 9 बजे संध्या आरती संपन्न हुई।

मंगलनाथ व अंगारेश्वर में दिनभर बंद रही पूजा

चंद्रग्रहण के चलते प्रसिद्ध मंगलनाथ मंदिर और अंगारेश्वर महादेव मंदिर में दिनभर दर्शन बंद रहे। वहीं भात पूजा भी नहीं की गई। मंदिर प्रबंधन की ओर से इसकी पूर्व में ही सूचना जारी कर दी गई थी। पुजारी पंडित मनीष अर्जुन उपाध्याय ने बताया कि शाम को जब चंद्रग्रहण समाप्त हुआ इसके बाद मंदिर में शुद्धिकरण किया गया व भगवान का श्रृंगार कर, भोग आदि लगाकर आरती-पूजा संपन्न की गई।